www.evidyarthi.in

अध्याय - 11

इमारते, चित्र तथा किताबे

CLASS VI CHAPTER 11 इमारते, चित्र तथा किताबे (NCERT)

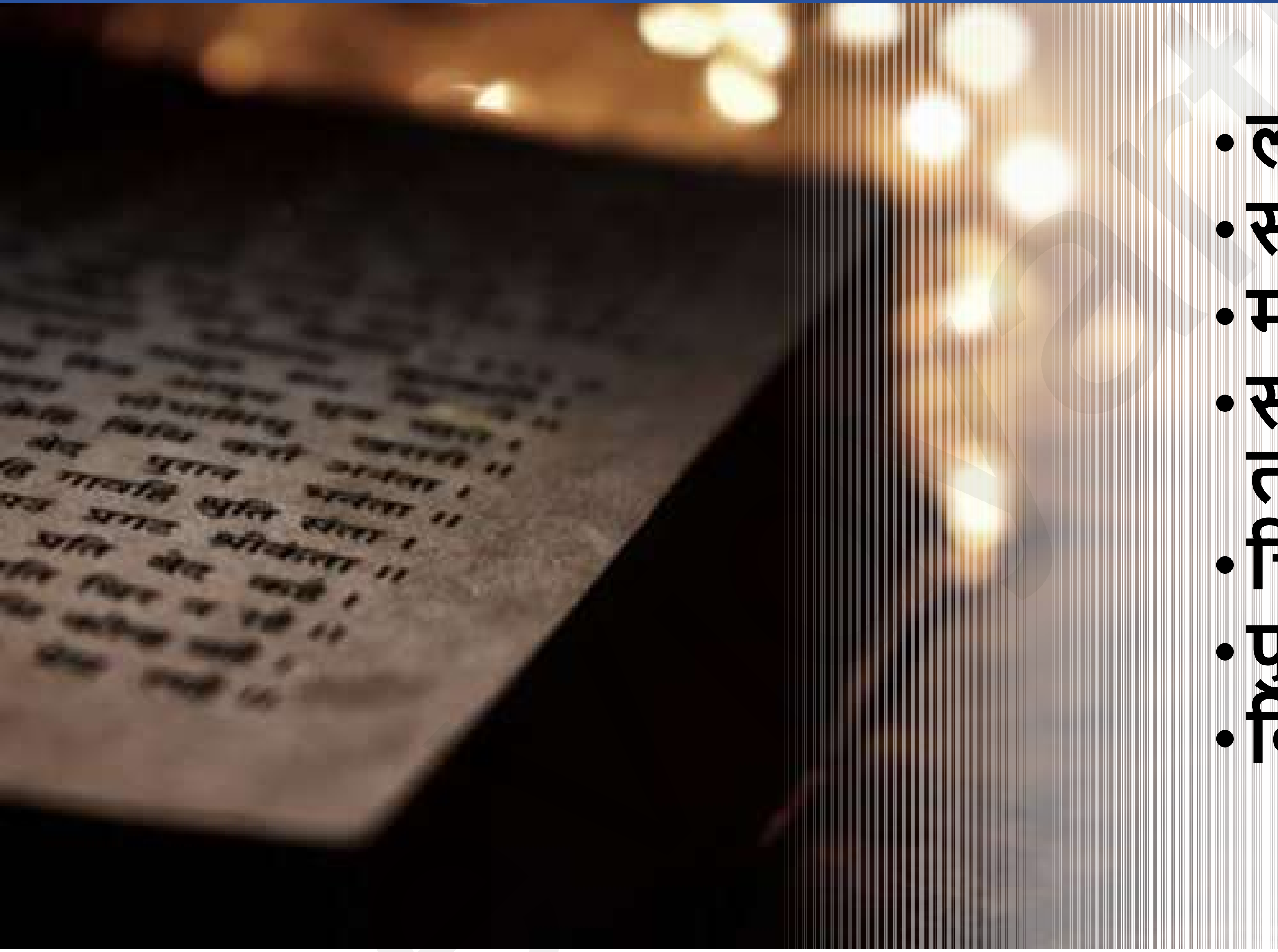

www.evidyarthi.in

- लौह स्तम्भ
- स्तूप
- मंदिर
- स्तूप तथा मंदिर किस तरह बनाए जाते थे ?
- चित्र कला
- पुस्तकों की रचना
- विज्ञान की पुस्तकें

https://www.evidyarthi.in

❑ लौह स्तम्भ

www.evidyarthi.in

evidyarthi

www.evidyarthi.in

❑ लौह स्तम्भ

- महरौली (दिल्ली) में कुतुबमीनार के परिसर में खड़ा लौह स्तम्भ करीब 1500 साल पुराना है।
- इसकी ऊँचाई 72 मीटर और वजन 3 टन से भी ज्यादा है।
- इस पर खुदे अभिलेख है पर 'चंद्र 'नाम के एक शासक का जिक्र है जो संभवतः गुप्त वंश के थे।

https://www.evidyarthi.in

❑ धातु विज्ञान

www.evidyarthi.in

- प्राचीन भारतीय धातुवैज्ञानिकों ने विश्व धातुविज्ञान के क्षेत्र में प्रमुख योगदान दिया है।

- पुरातात्विक खुदाई ने यह दर्शाया है कि हड़प्पावासी कुशल शिल्पी थे और उन्हें तांबे के धातुकर्म (धातुशोधन) की जानकारी थी।

evidyarthi

www.evidyarthi.in

- उन्होंने तांबे और टिन को मिलाकर कांसा भी बनाया था। जहाँ हड़प्पावासी कांस्य युग से जुड़े थे वहीं उनके उत्तराधिकारी लौह युग से संबद्ध थे।

- भारत अत्यंत विकसित किस्म के लोहे का निर्माण करता था - खोटा लोहा, पिटवा लोहा, ढलवा लोहा।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 11 इमारते, चित्र तथा किताबे (NCERT)

❑ स्तूप

www.evidyarthi.in

❑ स्तूप

www.evidyarthi.in

- स्तूप शाब्दिक अर्थ टीला होता है, विभिन्न आकार के कभी गोल या लम्बे तो कभी बड़े या छोटे।
- प्रायः सभी स्तूपों के भीतर एक छोटा सा डिब्बा रखा रहता है। इन डिब्बों में बुद्ध या उनके अनुयायियों के शरीर के अवशेष या उनके द्वारा प्रयुक्त कोई चीज या कोई कीमती पत्थर अथवा सिक्के रखे रहते हैं। इस डिब्बे को धातु मँजूसा कहते है।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 11 इमारते, चित्र तथा किताबे (NCERT)

www.evidyarthi.in

- प्रारंभिक स्तूप, धातु मंजूषा के ऊपर रखा मिटटी का टीला होता था। बाद में टाइल को ईंटों से ढक दिया गया और बाद के काल में उस गुम्बदनुमा ढांचे को तराशे हुए पत्थरों से ढक दिया गया।

- **प्रदक्षिणापथ** - स्तूप के चारो ओर परिक्रमा करने के लिए पथ।

www.evidyarthi.in

- **बेदिका** - प्रदक्षिणापथ को घेरने के लिए रेलिंग। वेदिका में प्रवेशद्वार बने होते थे। रेलिंग तथा तोरण (प्रवेशद्वार) प्रायः मूर्तिकला की सुन्दर कलाकृतियों से सजे होते थे।

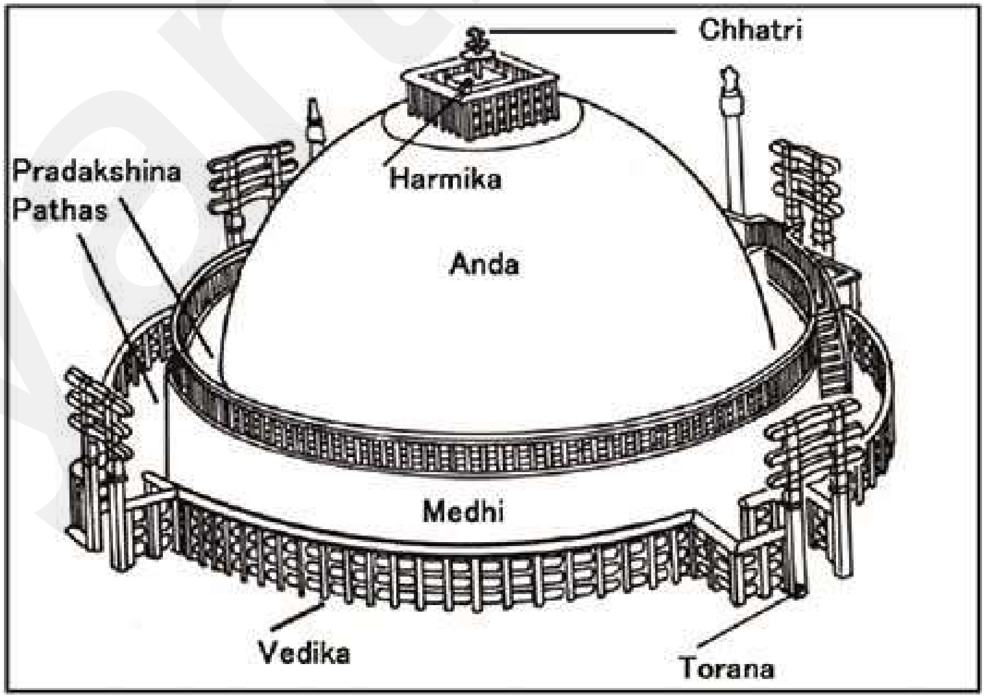

- नोट - प्रारंभिक स्तूप ईंटो के, संभवतः अशोक के ज़माने में रेलिंग तथा प्रवेश द्वार जोड़े गए।

evidyarthi

www.evidyarthi.in

❑ मंदिर

www.evidyarthi.in

❑ मंदिर

- मंदिरों में विष्णु, शिव तथा दुर्गा जैसी देवी-देवताओं की पूजा-पाठ होती है। मंदिरों का महत्वपूर्ण भाग गर्भगृह होता था, जहां मुख्य देवी व देवता की मूर्ति को रखा जाता था , इसी स्थान पर पुरोहित धार्मिक अनुष्ठान करते थे।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 11 इमारते, चित्र तथा किताबे (NCERT)

www.evidyarthi.in

- **शिखर**- गर्भगृहों के ऊपर काफी ऊंचाई तक किया गया निर्माण।

- **मंडप** - यह एक प्रकार का सभागार होता था जहाँ लोग इकट्ठा होते थे।

- नोट- उत्तर प्रदेश के भितर गांव में आरम्भिक मंदिर है यह लगभग 1500 साल पहले पकी ईंटो और पत्थरों से बनाया गया था।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

- नोट- एकाश्मिक मंदिर (महाबलिपुरम) - यह मंदिर एक ही विशाल मंदिर पहाड़ी को तराश कर बनाया गया है। इसीलिए इन्हे एकाश्म कहा गया है।

CLASS VI CHAPTER 11 इमारते, चित्र तथा किताबे (NCERT)

www.evidyarthi.in

- ऐहोल का दुर्गा मंदिर - यह लगभग 1400 साल पहले बनाया गया था।

www.evidyarthi.in

❑ स्तूप तथा मंदिर किस तरह बनाए जाते थे ?

www.evidyarthi.in

❑ स्तूप तथा मंदिर किस तरह बनाए जाते थे ?

- स्तूपों तथा मंदिरों को बनाने की प्रक्रिया में कई अवस्थाएं आती थी इसके लिए काफी धन खर्च होता था। आमतौर पर राजा या रानी ही इन्हे बनवाने का निश्चय करते थे।

evidyarthi

www.evidyarthi.in

- पहला काम, अच्छे किस्म के पत्थर ढूँढ़कर शिलाखंडों को खोदकर निकालना होता था।
- फिर मंदिर या स्तूप के लिए सोच-विचार कर तय किए गए स्थान पर शिलाखंडों को पहुँचाना होता था।
- यहाँ पत्थरों को काट-छाँटकर तराशने के बाद खंभों, दीवारों की चौखटों, फ़र्शों तथा छतों का आकार दिया जाता था।
- इन सबके तैयार हो जाने पर सही जगहों पर उन्हें लगाना काफी मुश्किल का काम था।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

- इनकी सजावट के लिए पैसे देने वालो में व्यापारी, कृषक, माला बनाने वाले, इत्र बनाने वाले, लोहार, सुनार तथा ऐसे कई स्त्री-पुरुष शामिल थे जिनके नाम खम्भों रेलिंगों तथा दीवारों पर खुदे है।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 11 इमारते, चित्र तथा किताबे (NCERT)

❑ चित्र कला

www.evidyarthi.in

❑ चित्र कला

www.evidyarthi.in

- सैकड़ो साल पहले बौध्द भिक्षुओं के लिए विहार बनाए गए।

- इन गुफाओं के अंदर अँधेरा होने की वजह से अधिकांश चित्र मशालों की रोशनी में बनाए गए थे। ये रंग पौधों तथा खनिजों से बनाए गए और 1500 बाद भी चमकादार है। कलाकार अज्ञात है।

evidyarthi

❑ पुस्तकों की रचना

www.evidyarthi.in

evidyarthi

www.evidyarthi.in

❑ पुस्तकों की रचना

- यह वह समय था जब भारत के कुछ बेहतरीन महाकाव्यों की रचना हुई थी। जो साहित्यिक किताब हजारों पन्नों में रहती है उसे महाकाव्य कहते हैं।

- **सिलप्पदिकारम** - लगभग 1800 वर्ष पहले इलांगो नामक कवि ने मशहूर तमिल महाकाव्य की रचना की थी।

www.evidyarthi.in

- ✓ इसमें कोवलन् नाम के एक व्यापारी की कहानी है। वह पुहार में रहता था। अपनी पत्नी कन्नगी की उपेक्षा कर वह एक नर्तकी माधवी से प्रेम करने लगा। बाद में, वह और कन्नगी पुहार छोड़कर मदुरै चले गए|

•**मणिमेखलई** - सत्तनार ने तमिल महाकाव्य की रचना लगभग 1400 वर्ष पहले की थी। इसमें कोवलन तथा माधवी की बेटी की कहानी है।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 11 इमारते, चित्र तथा किताबे (NCERT)

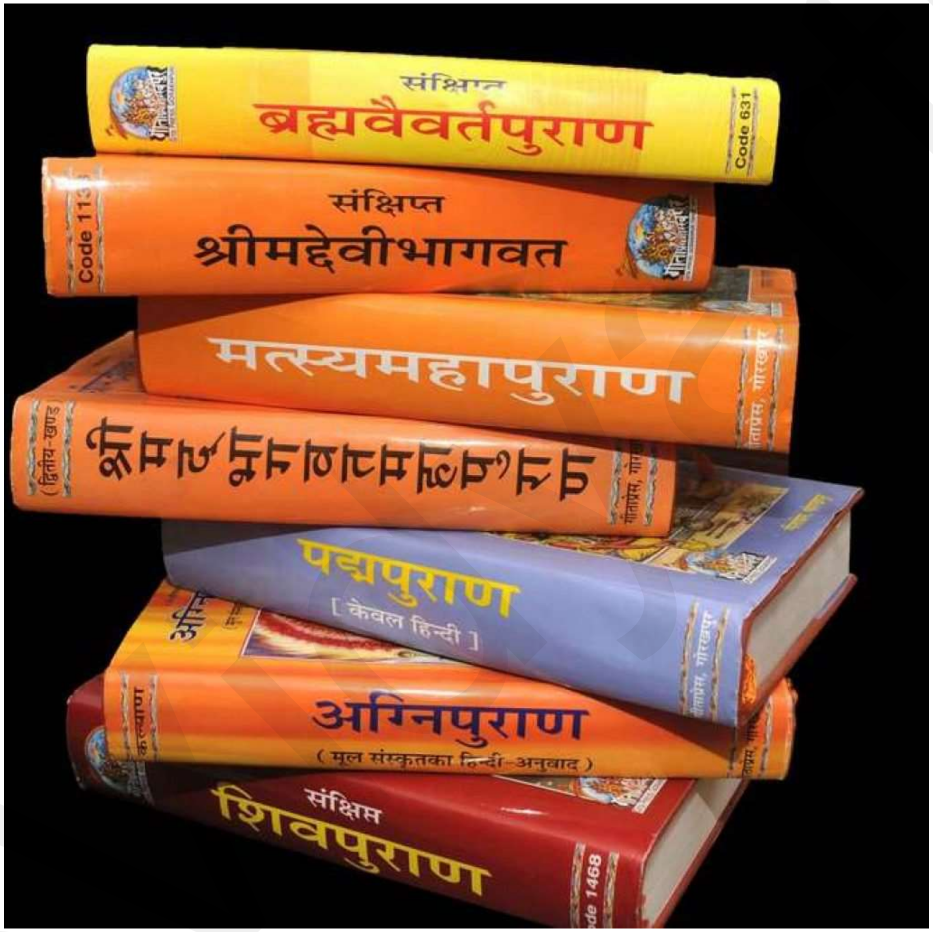

www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

- **पुराण** - इसका शाब्दिक अर्थ प्राचीन या पुराण है। पुराणों में विष्णु, शिव, दुर्गा या पार्वती जैसी देवी-देवताओं से जुडी कहानियां है, इनके पूजा की विधियां है। इसके अतिरिक्त इसमें संसार की सृष्टि व राजाओं के बारे में कहानियां है। अधिकरतर पुराण सरल संस्कृति श्लोक में लिखे गए है, जिससे सब इन्हे सुन और समझ सके। स्त्रियाँ या सूद्र जिन्हे वेद पढ़ने की अनुमति नहीं थी वे भी ऐसे सुन सकते थे। पुराणों का पाठ पुजारी मंदिरों में किया करते थे।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 11 इमारते, चित्र तथा किताबे (NCERT)

www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 11 इमारते, चित्र तथा किताबे (NCERT)

www.evidyarthi.in

- **महाभारत** - करीब 1500 साल पहले पुराणों तथा महाभारत महाकाव्य को व्यास नामक ऋषि ने संस्कृत में संकलित किया था। महाभारत में ही भगवतगीता भी है, महाभारत कौरवों और पांडवों के बीच युद्ध की कहानी है। युद्ध का उद्देश्य पुरु-वंश की राजधानी हस्तिनापुर की गद्दी प्राप्त करना था।

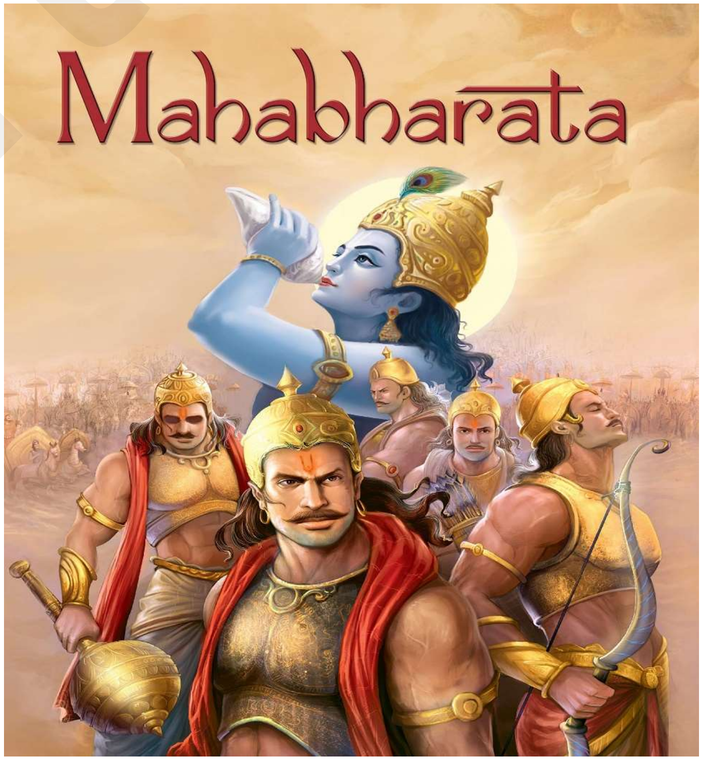

evidyarthi

CLASS VI CHAPTER 11 इमारते, चित्र तथा किताबे (NCERT)

vw.evidyarthi.in

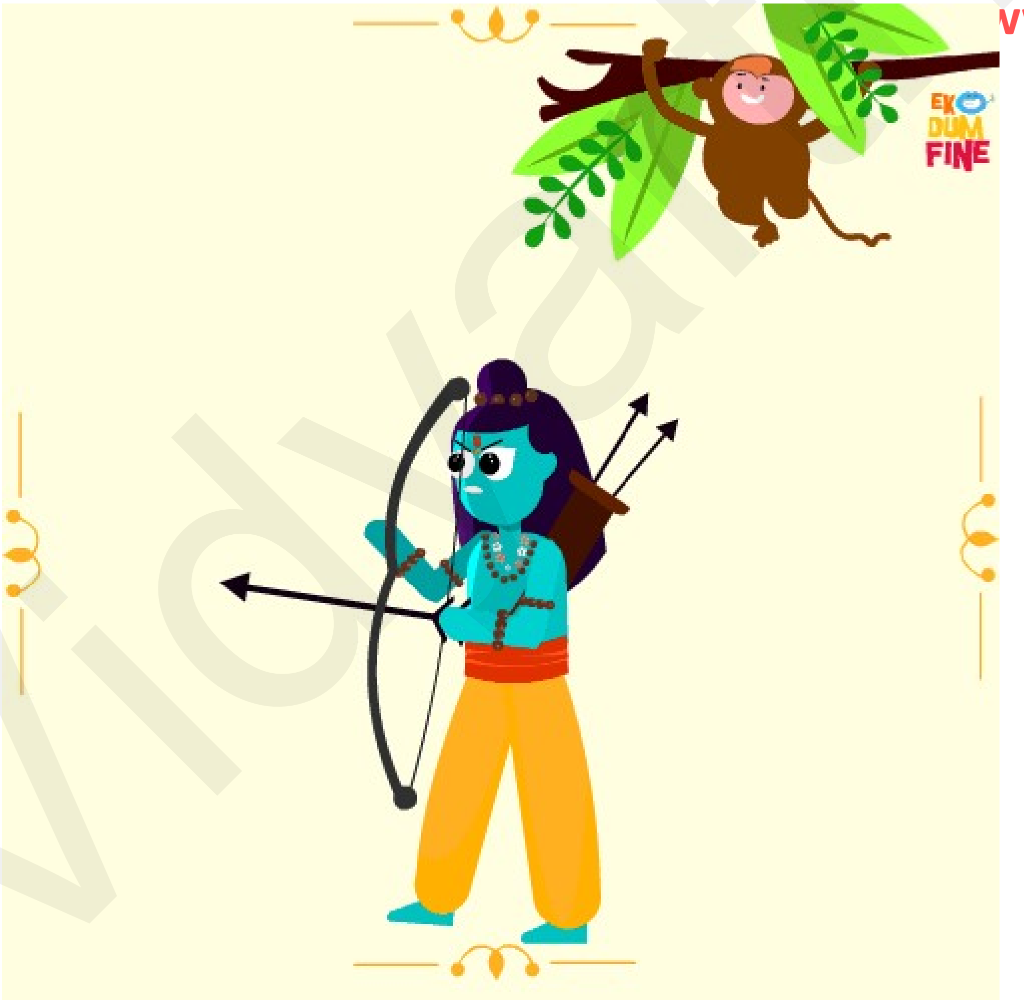

evidyarthi

www.evidyarthi.in

- **रामायण** - संस्कृत रामायण के लेखक वाल्मीकि माने जाते है। इसमें कोशल के राजकुमार राम,पत्नी सीता के अपहरण (लंका के राजा रावण द्वारा) के बाद लड़ाई तथा अयोध्या लौटने की कहानी है।

- **मेघदूत** - इसकी रचना कालिदास ने की थी।

evidyarthi

CLASS VI CHAPTER 11 इमारते, चित्र तथा किताबे (NCERT)

❑ विज्ञान की पुस्तकें

www.evidyarthi.in

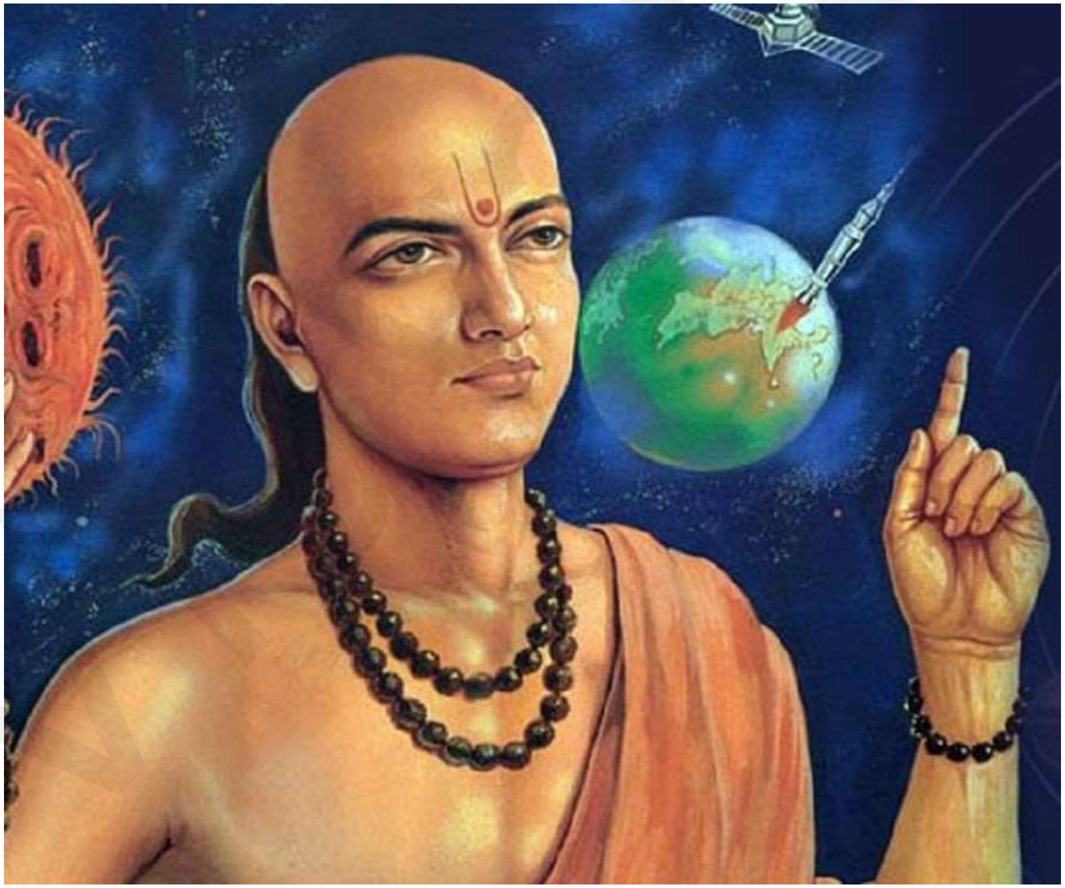

www.evidyarthi.in

❑ विज्ञान की पुस्तकें

- आर्यभट एक गणितज्ञ और ज्योतिषशास्त्री थे। उनकी पुस्तक आर्यभटियम में गणित और ज्योतिष के कई सिद्धांत हैं। उन्होंने गणित और विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

evidyarthi

www.evidyarthi.in

- वह उन अग्रणी वैज्ञानिकों में से थे जिन्होंने बताया कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमते है जिसके कारण दिन और रात होते हैं। उन्होंने ग्रहणों का सही सही वैज्ञानिक कारण बताया। आर्यभट ने वृत्त की परिधि ज्ञात करने का सही तरीका भी निकाला। यह विधि आज भी इस्तेमाल होती है।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

इस समय की एक और महत्वपूर्ण खोज है शून्य की खोज। शून्य की खोज के बाद ही दशमलव प्रणाली का विकास संभव हो पाया। दशमल प्रणाली अरबी देशों से होते हुए यूरोप तक पहुँचा। इसलिए इसे अरबी संख्या या हिंदू-अरबी संख्या कहते हैं।

https://www.evidyarthi.in